सां०वि०-141/25
23-3-2025

(1)

तबला

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय।

साहित्य (संगीत) विभागः

विषय– संगीत (तबला) शास्त्रिप्रथमवर्षम्

प्रथमाधिसत्रम्

Skill Enhancement Course (SEC)

(कौशल विकास पाठ्यक्रम)–

सप्तम पत्र अर्जितांश 03(क्रेडिट)

50 अंकों का पूर्णांक होगा, जिसकी 03 घण्टे की मात्र लिखित परीक्षा होगी।

पत्रनाम / पत्र क्रमांक	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Skill Enhancement Course (SEC)	i	• तालपरिचय भाग 1-2 - गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव • तालप्रबन्ध पं. छोटेलाल मिश्र,	प्रायोगिक पक्ष → तबला वाद्य पर विभिन्न प्रकार के वर्ण एवं वर्णों का निकास, तीनताल का ठेका एवं इसके प्रकार, तीनताल (पेशकार, कायदा रेला टुकड़ा), कहरवा ताल, • शास्त्रीय गायन वादन के साथ संगत आड़ा चारताल एवं एक ताल का ठेका।	02	25
	ii	तबला वाद्य के रूप रंग - प्रो० प्रवीण उद्धव, भारतीय संगीत का इतिहास - उमेश जोशी	सैद्धान्तिक पक्ष — तबला वाद्य का सम्पूर्ण परिचय • तबला वाद्य का संक्षिप्त इतिहास, • ताल प्रदर्शित करने वाले वाद्यों का परिचय, भातखण्डे ताल लिपि पद्धति, तबला वाद्य का दिल्ली घराना, • दिल्ली घराने के प्रवर्तक एवं विभिन्न शिष्य परम्परा में आने वाले विद्वानों का जीवन परिचय। • प्रयोगात्मक वादन प्रकारों की परिभाषाएं।	01	25

विभागाध्यक्ष
साहित्य विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी

तबला।

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकास पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री प्रथम–सत्रार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

विषय–संगीत (तबला)

पत्र–सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)

क्रेडिट–3

ईकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1.	**प्रायोगिक पक्ष –** • तबला वाद्य पर विभिन्न प्रकार के वाक्यांशों का निकास • तीनताल का ठेका एवं इसके प्रकार तीन ताल (पेशकार, कायदा, रेला, टुकड़ा) • कहरवा ताल • शास्त्रीय गायन–वादन के साथ संगत • आड़ा चार ताल एवं एक ताल का ठेका	2
2.	**सैद्धान्तिक पक्ष –** • तबला वाद्य का सम्पूर्ण परिचय • तबला वाद्य का संक्षिप्त इतिहास • ताल प्रदर्शित करने वाले वाद्यों का परिचय • भातखण्डे ताल लिपि पद्धति • तबला वाद्य का दिल्ली घराना दिल्ली घराने के प्रवर्तक एवं विभिन्न शिष्य परम्परा मे आने वाले विद्वानों का जीवन परिचय। • प्रयोगात्मक वादन प्रकारों की परिभाषाएँ।	1
	सहायक ग्रन्थ – • ताल परिचय भाग एक एवं दो– गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव • ताल प्रबन्ध–पं0 छोटेलाल मिश्र • तबला काव्य के रूप रंग– डॉ0 प्रवीण उद्धव • भारतीय संगीत का इतिहास–उमेश जोशी	

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकास पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री–द्वितीयसत्रार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

विषय–संगीत (तबला)

पत्र–सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)

क्रेडिट–2

ईकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1.	**प्रायोगिक पक्ष –** एकताल (पेशकार, कायदा, रेला, चक्रदार), शास्त्रीय गायन वादन के साथ संगत, तीन ताल का सम्पूर्ण वादन सामग्री दादरा ताल, रूपक ताल दीपचन्दी ताल एकताल	1
2.	**शास्त्र पक्ष –** • लय • तबले के बन्दिशों का अध्ययन • पखावज का इतिहास • तबला वाद्य का अजराड़ा घराना • अजराड़ा घराने के संस्थापकों का जीवन परिचय • अजराड़ा घराने शिष्य परम्परा में आने वाले विद्वानों क जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान	1
	सहायक ग्रन्थ – • ताल प्रबन्ध • ताल प्रसून – पं0 छोटेलाल मिश्र • तबला काव्य के रूप रंग, भाग–1, 2 डॉ0 प्रवीण उद्धव • तबला पुराण– पं0 विजय शंकर मिश्र • भारतीय संगीत का इतिहास–उमेश जोशी	

विभागाध्यक्ष
साहित्य विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकास पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री तृतीय–सत्रार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
विषय–संगीत (तबला)
पत्र–सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)
क्रेडिट–2

ईकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1.	**प्रायोगिक पक्ष –** • आड़ाचारताल (पेशकार, कायदा, रेला, तीन ताल, फरमाईशी एवं अन्य वादन प्रकार) • तीन ताल • कहरवा • दादरा • चारताल • झपताल का ठेका	1
2.	**शास्त्र पक्ष –** • लयकारी (डेढ़गुन, सवागुन) • विष्णु दिगम्बर ताल लिपि • मृदंगम् वाद्य का इतिहास • लखनऊ घराने के संस्थापकों एवं शिष्य परम्परा में आने वाले विद्वानों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान	1
	सहायक ग्रन्थ – • तबला पुराण – पं0 विजय शंकर मिश्र • ताल परिचय भाग–3 – गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव • तबला साहित्य – डॉ0 प्रवीण उद्धव • ताल परिचय भाग–3 गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव • ताल कोश – गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव • भारतीय संगीत का इतिहास–उमेश जोशी	

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकास पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री–चतुर्थ सत्रार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
विषय–संगीत (तबला)
पत्र–सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)
क्रेडिट–2

ईकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1.	**प्रायोगिक पक्ष –** झपताल (पेशकार, कायदा, रेला, कमाली चक्रदार, एवं अन्य वादन प्रकार) तीन ताल कहरवा, धूमाली दादरा शूलताल पंचम सवारी ठेका एकताल	1
2.	**शास्त्र पक्ष –** लयकारी (आड़, कुआड़) • घनवाद्य एवं अवनद्ध वाद्यों का तुलनात्मक अध्ययन • सोलह मात्रा की तालों का अध्ययन • लखनऊ घराना, फर्रूखाबाद घरानों के संस्थापको एवं शिष्य परम्परा के विद्वानों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान • बनारस एवं पंजाब घराने का अध्ययन • ग़ज़ल भजन, चित्रपट आदि गायन शैली के साथ संगत। • शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन–वादन आदि के साथ संगत।	1
	सहायक ग्रन्थ – • तबला काव्य के रूप रंग– डॉ0 प्रवीण उद्धव • तबले की उत्पत्ति विकास एवं वादन शैलियाँ • डॉ0 योग माया शुक्ला – पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ–डॉ0 आबानइ0 मिस्त्री • ताल कोश – गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव • संगीत मांगल्य–डॉ मंगला कपूर (राग परिचय भाग–1, 2, 3, 4) • भारतीय संगीत का इतिहास–उमेश जोशी	

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय: वाराणसी 23/3/2025

(4)

गायन ③

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय।

~~साहित्य~~ (संगीत) विभागः

विषय– ~~संगीत~~ (कण्ठ संगीत) शास्त्रिप्रथमवर्षम्

प्रथमाधिसत्रम्

Skill Enhancement Course (SEC)

(कौशल विकास पाठ्यक्रम)–

सप्तम पत्र अर्जितांश 03(क्रेडिट)

50 अंकों का पूर्णांक होगा, जिसकी 03 घण्टे की मात्र लिखित परीक्षा होगी।

नाम / पत्र क्रमांक	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Skill Enhancement Course (SEC)	i.	① राग परिचय-भाग-1, हिन्दुस्तानी संगीत गायन सम्पूर्ण	प्रयोगात्मक पक्ष → सांगीतिक स्वरों का परिचय तथा लगाने का तरीका, • अलंकारों का गायन तथा अभ्यास, • राग भूपाली तथा राग भैरव में छोटा ख्याल, • दादरा तथा तीनताल को हाथ से लगाना। भजन विश्व विद्यालय का कुलगीत तथा लक्षणगीत।	02	25
	ii	③ संगीत पारिभाषावली	सैद्धान्तिक पक्ष → संगीत की सप्तक परिभाषा तथा स्वरों का ज्ञान, • अलंकार, स्वर, आरोह, अवरोह, पकड़, थाट, वादी, संवादी, विवादी स्वर की परिभाषा। • नाद की परिभाषा तथा उसके लक्षण तथा विशेषताएँ। • राग भूपाली तथा राग भैरव का सम्पूर्ण परिचय। • पाठ्यक्रम के रागों में छोटा ख्याल लिखना।	01	25

Shruti

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी

गायन

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(SKILL ENHANCEMENT COURSE)

शास्त्री प्रथम-सत्रार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)
विषय-संगीत गायन
पत्र-सप्तम प्रश्न प्रत्र (SEC)
क्रेडिट-3

पूर्णांक - 50

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	**प्रयोगात्मक पक्ष -:** • सांगीतिक स्वरों का परिचय तथा लगाव का तरीका • अलंकारों का गायन तथा अभ्यास • राग भूपाली तथा राग भैरव में छोटा ख्याल • दादरा ताल तथा तीनताल-ठाह लगाना • भजन • विश्वविद्यालय का कुलगीत तथा ध्वजगीत	2
2	**सैद्धान्तिक पक्ष -:** • संगीत की सप्तक परिभाषा तथा स्वरों का ज्ञान। • अलंकार, स्वर, आरोह, अवरोह, पकड़, थाट, वादी, संवादी, विवादी की परिभाषा। • नाद की परिभाषा तथा उसके लक्षण अथवा विशेषताएँ। • राग भूपाली तथा राग भैरव का सम्पूर्ण परिचय। • पाठ्यक्रम के रागों में छोटा ख्याल लिखना।	1

सहायक ग्रन्थ -:

1. *राग परिचय भाग-एक*
2. *हिन्दुस्तानी संगीत गायन सम्पूर्ण*
3. *संगीत परिभाषावली*

Shruti

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

20-1

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(SKILL ENHANCEMENT COURSE)

शास्त्री द्वितीय-सत्रार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)

विषय-संगीत गायन

पत्र-सप्तम प्रश्न प्रत्र (SEC)

क्रेडिट-2

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	**प्रयोगात्मक पक्ष -:** • शुद्ध तथा विकृत स्वरों की पहचान व लगाव • राग बिलावल तथा राग यमन में छोटा ख्याल • कहरवा तथा एकताल का परिचय ठाह तथा दुगुन लगाना • एक लक्षण गीत • भजन/गीत • विश्वविद्यालय का कुलगीत तथा ध्वजगीत अभ्यास	1
2	**सैद्धान्तिक पक्ष -:** • भारत की दो प्रमुख संगीत पद्धतियों का अध्ययन (उत्तरी तथा दक्षिणी) • पारिभाषिक शब्दावलियाँ- राग जाति-औडव - षाड़व-सम्पूर्ण, आलाप, तान, राग, ताली, खाली, मात्रा, विभाग। • पाठ्यक्रम के तालों को ठाह व दुगुन में लिखना। • पाठ्यक्रम के रागों का सम्पूर्ण परिचय तथा छोटा ख़्याल लिखना। • विष्णु नारायण भातखण्डे की जीवनी।	1

सहायक ग्रन्थ -:

1. *राग परिचय भाग एक, भाग दो*
2. *संगीत परिभाषावली*

Shruti

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी

पृ० - 2

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(SKILL ENHANCEMENT COURSE)

शास्त्री तृतीय-सत्रार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
विषय-संगीत गायन
पत्र-सप्तम प्रश्न प्रत्र (SEC)
क्रेडिट-2

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	**प्रयोगात्मक पक्ष -:** • राग काफी तथा राग खमाज में छोटा ख़्याल। • पारिभाषिक शब्दावलियाँ-ध्रुपद, धमार, टप्पा, ठुमरी, छोटा ख्याल, बड़ा ख्याल, राग मलिका। • झपताल तथा चारताल को ताली-खाली सहित ठाह तथा दुगुन लय में दिखाना। • स्वर समूहों द्वारा रागों को पहचानना। • भजन/गीत/गजल • विश्वविद्यालय का कुलगीत व ध्वजगीत का अभ्यास।	1
2	**सैद्धान्तिक पक्ष -:** • पाठ्यक्रम के रागों को स्वरलिपि सहित लिखना। • पाठ्यक्रम के तालों को ठाह दुगुन की लय में ताली-खाली मात्रा-विभाग • सहित लिखना। • पारिभाषिक शब्दावलियाँ- आश्रय राग, संधि प्रकाश राग, कण, मींड, खटका, • मुर्की, ग्रह, अंश, न्यास। • पाठ्यक्रम के रागों का सम्पूर्ण परिचय। • विष्णु दिगम्बर पलुष्कर की जीवनी।	1

सहायक ग्रन्थ -:

1. *राग परिचय भाग एक, भाग दो*
2. *संगीत परिभाषावली*

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(SKILL ENHANCEMENT COURSE)

शास्त्री चतुर्थ-सत्रार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
विषय-संगीत गायन
पत्र-सप्तम प्रश्न प्रत्र (SEC)
क्रेडिट-2

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	**प्रयोगात्मक पक्ष -:** • राग आसावरी तथा भैरवी में छोटा ख़्याल तथा एक राग में विलम्बित ख़्याल। • दीपचंदी, रूपक तथा भजनी ताल का ठेका, दुगुन व चौगुन की लय में ताली-खाली मात्रा-विभाग दिखाना। • पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तराना गायन। • तानपूरा बजाने का तरीका। • पाठ्यक्रम के किसी राग दादरा/भजन/गीत • विश्वविद्यालय का कुलगीत तथा ध्वजगीत का अभ्यास।	1
2	**सैद्धान्तिक पक्ष -:** • पाठ्यक्रम के रागों को स्वरलिपि में लिखना। • पाठ्यक्रम के तालों ठाह-दुगुन व चौगुन की लय में लिखना। • पाठ्यक्रम के रागों का सम्पूर्ण परिचय। • स्वामी हरिदास तथा तानसेन की जीवनी। • तानपूरे के अंगों का सम्पूर्ण परिचय।	1

सहायक ग्रन्थ -:

1. *राग परिचय भाग एक, भाग दो*
2. *संगीत परिभाषावली।*

Shruti

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

पृ० - ९

षाण्मासिक संगीत परीक्षा पाठ्यक्रम

- संगीत का यह पाठ पाठ्यक्रम 4 सेमेस्टर का होगा।
- विश्वविद्यालय में नियमित रूप से संगीत कक्षा में अध्ययन करने वाले छात्र ही इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।
- परीक्षा में प्रत्येक सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र होंगे, जो 50-50 अंकों के होंगे। जिसका पूर्णांक 100 नंबर का होगा।
- 50 नंबर की लिखित परीक्षा और 50 नंबर का प्रायोगिक परीक्षा होगी।

- संगीत विभाग (गायन)

विभागाध्यक्ष:
साहित्य विभाग:
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय: वाराणसी

सितार

(2)

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय।

साहित्य (संगीत) विभागः

विषय– संगीत (सितार) शास्त्रिप्रथमवर्षम्

प्रथमाधिसत्रम्

Skill Enhancement Course (SEC)

(कौशल विकास पाठ्यक्रम)–

सप्तम पत्र अर्जितांश 03(क्रेडिट)

50 अंकों का पूर्णांक होगा, जिसकी 03 घण्टे की मात्र लिखित परीक्षा होगी।

पत्रनाम / पत्र क्रमांक	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Skill Enhancement Course (SEC)	i	रागपरिचय भाग–। हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, संगीत स्तुर और साथ डॉ० बी० एन० मिश्रा	प्रायोगिक पक्ष → वाद्य के बैठक तथा हस्त संचालन का ज्ञान • सितार के कुछ बोल, जैसे- दा, रा, दा दिर, --- • सितार में स्वरों का ज्ञान – शुद्ध, कोमल, तथा विकृत आदि। • प्रारम्भिक अलंकार • रागों का ज्ञान – भूपाली, यमन, आरोह अवरोह पकड़ मध्य लय में गत, तीनताल-झपताल का परिचय।	02	25
	ii	3. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक, मालिका भाग एक और दो	सैद्धान्तिक पक्ष → पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान - भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति संगीत, ध्वनि, नाद, श्रुति (तीनों सप्तक) चल व अचल स्वर, थाट वर्ण, स्थाई अन्तरा आरोह अवरोह, पकड़ राग जाति, अलंकार; माला सम खाली ठेका, सितार का संक्षिप्त इतिहास।	01	25

Shail Pandey

1

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय,वाराणसी

राष्ट्रियशिक्षानीति २०२० (CBCS) आधारित

कौशल विकाश पाठ्यक्रम

(Skill Enhancement Course)

शास्त्री प्रथम-सत्रार्द्ध (प्रथम सेमेस्टर)

विषय – संगीत-सितार

पत्र – सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)

क्रेडिट – 3

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	प्रायोगिक पक्ष – • वाद्य के बैठक तथा हस्त संचालन का ज्ञान • सितार के कुछ बोल, जैसे- दा, रा, दा, दिर, दिर, दार-दार-दा • सितार में स्वरों का ज्ञान- शुद्ध, कोमल तथा विकृत आदि • प्रारम्भिक अलंकार • अध्ययन/अध्यापन के लिए रागों का ज्ञान – राग भूपाली, राग यमन, आरोह-अवरोह, पकड़, मध्य लय में गत • तीन ताल तथा झपताल में ठेका देते हुवे ठाह एवं दुगुन लयों में बोलने का अभ्यास	2
2	सैद्धान्तिक पक्ष – • निम्नलिखित विषयों तथा पारिभाषिक शब्दों के साधारण ज्ञान – भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान • संगीत, ध्वनि, नाद, श्रुति, सप्तक (मन्द्र-मध्य-तार), स्वर चल व अचल स्वर, थाट, वर्ण स्थाई, अन्तरा, आरोह, अवरोह पकड़ राग जाति, अलंकार, मात्रा, सम, खाली, ठेका • सितार का संक्षिप्त इतिहास	1

सहायक ग्रन्थ –

1. राग परिचय, भाग -1, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
2. संगीत, सुर और साज, डॉ० बी०एन० मिश्रा
3. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका , भाग-1 और 2

Shail Panday

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय,वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीति २०२० (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री द्वितीय-सत्रार्द्ध (द्वितीय सेमेस्टर)
विषय – संगीत-सितार
पत्र – सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)
क्रेडिट – 2

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	प्रायोगिक पक्ष – • स्वरों की पहचान • ठाह, दुगुन, तीगुन, चौगुन में अलंकार • सितार के अंगों का अध्ययन • सितार मिलाने की विधि • सितार के बोल व उन्हे निकालने की विधि • रागों का अध्ययन - राग भैरव, राग भीमपलासी, राग काफी, तान के साथ मध्य लय	1
2	सैद्धान्तिक पक्ष – • पारिभाषिक शब्द – थाट, जनक थाट जन्य राग, आरोह, अवरोह, पकड़, अलंकार, जाति, मुर्झना, राग की जातियाँ, वर्ज्य स्वर, वादी, संवादी, विवादी, अनुवादी, तान, वादी स्वरों के अनुसार राग का समय • जीवन परिचय – पं० रविशंकर , तानसेन	1

सहायक ग्रन्थ –

1. राग विज्ञान, भाग 1-2 , लेखक - बी. एन. पटवर्धन
2. संगीत विशारद, लेखक – बसन्त
3. राग परिचय, भाग -1-2, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव

Shail Pandey

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय,वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीति २०२० (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री तृतीय-सत्रार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)
विषय – संगीत-सितार
पत्र – सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)
क्रेडिट – 2

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	प्रायोगिक पक्ष – • सितार मिलाने का ज्ञान तरब के साथ • सितार के बोलों को चौगुन में बजाने का अभ्यास • लय का ज्ञान – हाथ की सहायता से ताल देकर बोलों का अभ्यास • अलाप का सम्पूर्ण ज्ञान एवं सरल अलापों द्वारा राग पहचानने का ज्ञान • रागों का अध्ययन – राग यमन, राग बिलावल, राग खमाज, राग काफी का ज्ञान तथा रजाखानी गत तानों के साथ अभ्यास	1
2	सैद्धान्तिक पक्ष – • पकड़ के द्वारा राग की पहचान – अलाप, मात्रा, ठेका, ताली, खाली, विभाग, सम, आवर्तन, पूर्वांगवादी, उत्तरांगवादी • सितारों के मुख्य अंगों के नाम, जैसे - मनका, तुम्बा, परदा, चल, अचल,गुल्लु, दांट, जवारी, घुड़च • स्वलिपि का ज्ञान • अपने पाठ्यक्रम के रागों का परिचय – ताल- तीन ताल, कहरवा, झपताल, रूपक ताल का सम्पूर्ण परिचय तथा ठाह, दुगुन, तीगुन, चौगुन को लिखने का अभ्यास • जीवन परिचय – बी. एन. भातखण्डे, विलायत खां, निखिल बैनर्जी,	1

सहायक ग्रन्थ –

1. राग विज्ञान, भाग 1-2 , लेखक - बी. एन. पटवर्धन
2. राग परिचय, भाग -1-2, लेखक - हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
3. संगीत विशारद , लेखक - बसन्त

Shail Pandey

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय,वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीति २०२० (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री चतुर्थ-सत्रार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)
विषय – संगीत-सितार
पत्र – सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)
क्रेडिट – 2

इकाई सङ्ख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	प्रायोगिक पक्ष – • स्वरसमूह के द्वारा रागों की पहचान • रागों का अध्ययन – विस्तृत राग – भीमपलासी, वृंदावनीसारंग, अर्ध-विस्तृत- देश, विभास, भैरवी राग • रजाखानी गत चार-चार तान व झाला के साथ बजाने का अभ्यास • झालों के विभिन्न बोलों का अभ्यास • पाठ्यक्रम के रागों को पहचानने का ज्ञान • तीन ताल, चार ताल,रूपक, तेवरा तालों के ठेकों का ताली देकर ठाह, दुगुन लयों में बोलने का अभ्यास	1
2	सैद्धान्तिक पक्ष – • संगीत की परिभाषा • संगीत की पद्धतियाँ • संगीत के रूप - क्रियात्मक तथा शास्त्र • संगीत के प्रकार – शास्त्रीय, लोक संगीत व चित्रपट संगीत • ध्वनि, ध्वनि की उत्पत्ति • आंदोलन तथा आंदोलन के प्रकार • नाद व उसकी तीन विशेषताएं • वाद्य वर्गीकरण • जीवन परिचय – पं० ओमकार नाथ ठाकुर, अब्दुल करीम खां, वी.डी.पलुष्कर,अलाउद्दीन खां, अन्नपूर्णा देवी, • निबन्ध – मानवजीवन में संगीत महत्व, संगीत मे ताल का महत्व, संगीत समारोह का वर्णन	1

संहायक ग्रन्थ –

1. राग परिचय, भाग 1-4, लेखक- हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
2. संगीत मीमांसा, लेखक – जगदीश नारायण पाठक
3. संगीतशास्त्र, भाग 1-2, लेखक – महेश नारायण सक्सेना
4. संगीत विशारद, लेखक – बसन्त
5. सितार विज्ञान शास्त्र एवं प्रयोग, लेखक – प्रो० राजेश शाह

Shail Pandey

विभागाध्यक्षः
साहित्य विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणसी